Dr. Shyam Shankar
Associate Professor
Deptt. of Political Science
Raja Singh College, Siwan

For BA Hons Part - II

राजनीतिक समाजीकरण के अर्थ एवं परिभाषाएँ

मानव एक सामाजिक प्राणी है। वह समाज में रहते हुए राजनीति की जानकारी प्राप्त करता है तथा राजनीतिक कार्यों में भाग लेता है। समाज के लोगों का राजनीतिक प्रति सक्रियता, जानकारी और सहभागिता को ही राजनीतिक समाजीकरण कहा जाता है।

यहाँ राजनीतिक समाजीकरण को और अधिक स्पष्ट ढंग से समझने के लिए पहले हमें समाजीकरण को समझने का प्रयास करना चाहिए। जब कोई बालक जन्म लेता है तो उसे समाज के नियमों, प्रथाओं, रीति-रिवाजों आदि का कोई ज्ञान नहीं होता। जैसे-जैसे उनकी आयु बढ़ती है, वैसे-वैसे वह इन नियमों, रिवाजों को सिखता है और उसके अनुरूप स्वयं को ढ़ालने का प्रयास करता है, यही प्रक्रिया समाजीकरण कहलाती है। ऑगबर्न के शब्दों में "समाजीकरण एक विधि

और व्यवहार का प्रतिमान अर्जित करते हैं।"
आमण्ड और पावेल के शब्दों में "राजनीतिक समाजीकरण ~~अतः~~ वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा राजनीतिक संस्कृतियों को स्थिर रखा जा सकता है अथवा बदला जा सकता है। इस कार्य के निष्पादन द्वारा व्यक्तियों को राजनीतिक संस्कृति में सम्मिलित किया जाता है और उसके राजनीतिक विषयों के प्रति अभिमुखीकरण स्थापित होते हैं।" अर्थात आमण्ड और पावेल के अनुसार राजनीतिक समाजीकरण के द्वारा राजनीतिक संस्कृति में निरन्तरता और बदलाव की प्रक्रिया चलती रहती है। Robert Siegal के अनुसार "Political socialisation is the gradual learning of the norms, attitudes and behaviours acceptable to an on going Political System." अर्थात राजनीतिक समाजीकरण का अर्थ राजनीतिक व्यवस्था के मानदण्डों, अभिवृत्तियों और व्यवहारों को धीरे धीरे सीखना है। हरबर्ट हीमैन के शब्दों में "राजनीतिक संस्कृति एक समाजशास्त्रीय धारणा है जबकि राजनीतिक समाजीकरण एक मनोवैज्ञानिक धारणा है।"
ऑस्टिन रैनी के अनुसार "राजनीतिक समाजीकरण का साधारण अर्थ साधारण जनता का समाजीकरण करना है। इसका अर्थ ऐसी विधियों से है जिसके द्वारा साधारण लोग राजनीतिक प्रणाली के प्रति ~~अभिवृत्तियों और विश्वासों की स्थापना~~ अपनी अभिलाभि व्यक्त करते हैं।" एलन आर. बाल के शब्दों में "राजनीतिक समाजीकरण का अर्थ राजनीतिक प्रणाली के प्रति अभिवृत्तियों और विश्वासों की स्थापना तथा उनका विकास करना है।"

इस प्रकार उपरोक्त परिभाषाओं के आधार पर यह कहा जा सकता है कि राजनीतिक समाजीकरण ऐसी प्रक्रिया है जो व्यक्ति के जीवन भर चलती रहती है यह प्रत्येक देश और प्रत्येक शासन पद्धति में पाई जाती है। इसी के द्वारा व्यक्ति अपना व्यवहार विकसित करता है। वह राजनीतिक मूल्यों, मानदण्डों और अभिमुखीकरण से तालमेल बिठाता है।